होंगे कामयाब

1.

कविता का मूलभाव

अपनी सफलता के लिए मन में अटूट विश्वास लिए यह कविता बताती है कि एक दिन ऐसा अवश्य आएगा जब हमारे चारों ओर शांति होगी तथा हम मिलजुलकर, निडरता से अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ेंगे तथा सफलता प्राप्त करेंगे।

2.

कविता का सरलार्थ

होंगे कामयाब .... चारों ओर एक दिन।

हम सब देश की प्रगति व निर्माण के लिए अथक प्रयास करेंगे। हमारा विश्वास है कि हम इसमें एक दिन अवश्य सफल होंगे। हमारे मन में अपनी सफलता का पूर्ण विश्वास है। हमें पूर्ण विश्वास है कि एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे चारों ओर पूर्ण रूप से शांति का साम्राज्य स्थापित होगा।

हम चलेंगे .... एक दिन।

जब देश में शांति स्थापित हो जाएगी तो कोई विरोधाभास नहीं रहेगा। उस दिन हम सब मिलजुलकर साथ-साथ चलेंगे। अर्थात हम सबमें एकता का भाव जाग्रत होगा। हम एक-दूसरे की सहायता करेंगे तथा मिलजुलकर उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

नहीं डर .... एक दिन।

आज हम बिना किसी डर के, स्वतंत्र भारत के निर्माण व उसकी प्रगति में योगदान दे सकते हैं। आज हम स्वतंत्र हैं, किसी के अधीन नहीं हैं, इसलिए हम किसी से भी नहीं डरते। मन से भय व डर की भावना निकालकर हम प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि हम विकास के इस कार्य में अवश्य सफल होंगे।

3. पढ़ें, समझें और लिखें—

निर्	+ गुण	= ···निर्गुण···		नि	+ वास	= ···निवास···
निर्	+ भय	= ···निर्भय···		नि	+ कुंज	= ···निकुंज···
निर्	+ मोह	= ···निर्मोह···		नि	+ डर	= ···निडर···

4.

क. कवि को किस बात का पूरा विश्वास है?

उ. ···कवि को इस बात का पूरा विश्वास है कि हम अवश्य कामयाब होंगे। हम निर्भय होकर साथ-साथ··· ···चलेंगे। हमारे चारों ओर शांति होगी।···

ख. 'चारों ओर' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उ. ···'चारों ओर' से कवि का अभिप्राय देश में सब जगह से अर्थात पूरे देश से है।···

ग. 'हम चलेंगे साथ-साथ' ऐसा कहने के पीछे कवि का क्या उद्देश्य है?

उ. ···'हम चलेंगे साथ-साथ' कहने के पीछे कवि का उद्देश्य है कि एक दिन संपूर्ण राष्ट्र में एकता की··· ···भावना स्थापित होगी।···